Date 18/05/2020 Page 1 to 3

Saathi

B.A. PART - IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER - I (BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY)
CH-10 (CONCEPT OF EQUALITY)
LECTURE NO.- 31 (THIRTY ONE)

By. OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
R.B. COLLEGE, JAYNAGAR
L.N.M.U., DARBHANGA

समानता के प्रकार या रूप

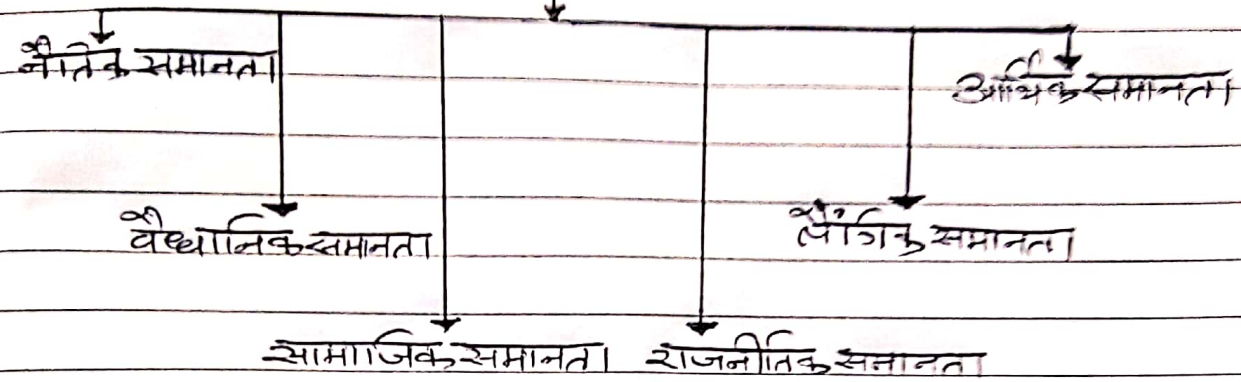

- नैतिक समानता।
- वैधानिक समानता।
- सामाजिक समानता।
- राजनीतिक समानता।
- लैंगिक समानता।
- आर्थिक समानता।

नैतिक समानता —

यह एक आदर्शवादी संकल्पना है। समानता का आरंभिक विचार नैतिक समानता के रूप में ही आया। इसे प्राकृतिक समानता भी कहा जाता है। इस समानता का अर्थ है- सभी व्यक्तियों के साथ समानता का व्यवहार होना चाहिए; क्योंकि सभी व्यक्तियों को प्रकृति ने समान बनाया है और सभी व्यक्ति आधारभूत रूप में बराबर हैं एवं ईश्वर के समान संतान है।

सामाजिक समझौता सिद्धांत के प्रतिपादक हॉब्स, लॉक के अनुसार प्राकृतिक अवस्था में नैतिक समानता विद्यमान थी। वर्तमान समय में इस समानता की धारणा को अमान्य किया जा चुका है और इसे 'कोरी कल्पना' योग्यता, सृजनात्मक शक्ति, समाज-सेवा की भावना और सम्भवतः सबसे अधिक कल्पना-शक्ति में एक-दूसरे से मूलतः भिन्न हैं।

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

(2) वैधानिक समानता —

इसका आशय, विधि के समक्ष समानता से है। अतः विधि के समक्ष सभी व्यक्ति समान हैं। सभी व्यक्तियों को विधि या कानून का संरक्षण प्राप्त होना चाहिए।

इस समानता के समर्थक लॉक, बेंथम, ऑस्टिन, मिल आदि विचारक थे।

(3) सामाजिक समानता —

सामाजिक समानता का तात्पर्य है कि, सभी प्रकार के विभेद की समाप्ति एवं विशेषाधिकारों का अंत होना चाहिए। समाज में जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, धन, व्यापार आदि के आधार पर व्यक्तियों में किसी प्रकार का भेद नहीं किया जाना चाहिए एवं सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और सभी को सामाजिक उत्थान के समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

(4) राजनीतिक समानता —

प्रत्येक नागरिक को राजनीति में, इससे सम्बंधित गतिविधियों में सहभागिता का समान अधिकार प्रदान करना ही राजनीतिक समानता है। सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समान राजनीतिक अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। इसके अपवाद हैं - पागल, नाबालिग और घोर अपराधी व्यक्ति, क्योंकि ये सब अपने मत का उचित प्रयोग नहीं कर सकते।

(5) लैंगिक समानता —

इस समानता का अर्थ, यह नहीं कि नारी को पुरुषों के समान बना दिया जाए, बल्कि नारीवादी मूल्यों को समाज में उचित स्थान दिया जाए। पितृसत्तात्मक सत्ता की समाप्ति हो। महिलाओं

Scanned with CamScanner

Saathi

Date ___/___/______

द्वारा किए गए घरेलू कार्यों सहित सभी कार्यों के महत्व को स्वीकार किया जाय, उनके कार्यों का उचित मूल्यांकन किया जाय। महिलाओं को भी समाज में उचित सम्मान मिले एवं उन्हें द्वितीय दर्जे का नागरिक नहीं माना जाय।

लैंगिक समानता के समर्थक प्रमुख विचारक हैं- रिचर्ड टोनी, जॉर्ज ऑर्वेल एवं रिचर्ड टिटमस

(6) आर्थिक समानता-

आर्थिक समानता का मानव जीवन में सर्वाधिक महत्व है। इसके अभाव में राजनीतिक एवं वैधानिक समानता का कोई मूल्य नहीं है। आर्थिक समानता का तात्पर्य है कि मनुष्यों की आय में बहुत अधिक असमानता नहीं होनी चाहिए और उन्हें न्यूनतम आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके। आय में इतना अन्तर नहीं होना चाहिए कि एक व्यक्ति अपने धन के बल पर दूसरे व्यक्तियों के जीवन पर अधिकार कर ले। जब तक सभी व्यक्तियों की अनिवार्य आवश्यकताएँ संतुष्ट नहीं हो जाती हैं, तब तक किसी भी व्यक्ति को आरामदायक एवं विलासिता के साधनों के उपभोग का अधिकार नहीं प्राप्त होना चाहिए। इस प्रकार यह समानता धन के उचित वितरण पर जोर देती है।

x ——— x ——— x ——— x ——— x —→

संभावित प्रश्न :-

समानता से आप क्या समझते हैं? इसके विभिन्न स्वरूपों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Page No.